This question paper contains 7 printed pages]

3382-P

B.A. (Third Year) (Private)

EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper II

(गद्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

सभी *प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***पचास*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

प्रत्येक इकाई से ***एक-एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'अ'

इकाई I

1. (*i*) पाठ्यपुस्तक में आए 'रामायण' निबंध के लेखक का नाम बताइए।

(*ii*) प्रेमचंद ने साहित्यकार की किन विशेषताओं को रेखांकित किया है ? किन्हीं **दो** विशेषताओं को बताइये।

इकाई II

(*iii*) 'एक नारिव्रतरत सब झारी, ते मन बच क्रम पति हितकारी' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) उत्तराफाल्गुनी किस ऋतु का नक्षत्र है ?

इकाई III

(*v*) यश ने छत पर क्या-क्या सामान ले जाना उचित समझा ?

(*vi*) यश को खेत किसलिए चाहिए थे ?

इकाई IV

(*vii*) नलिनी, राजबहादुर, प्रकाश किस एकांकी के पात्र हैं तथा इसके लेखक कौन हैं ?

(*viii*) 'घोंसले' एकांकी के लेखक कौन हैं ?

इकाई V

(*ix*) बालमुकुन्द गुप्त के निबंध-संग्रह के नाम बताइये।

(*x*) एकांकी के तत्वों के नाम लिखिए।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

काल के परिवर्तन की कैसी महिमा है जो अपने साथ ही साथ मानुषी प्रकृति के परिवर्तन पर भी बहुत कुछ असर पैदा कर देता है। वाल्मीकि ने जिन-जिन बातों को अवगुण समझ अपनी कल्पना के प्रधान नायक रामचन्द्र में बरकाया था वे ही सब व्यास के समय में गुण हो गई, जिनकी कविता का मुख्य लक्ष्य यही था कि अपना मान, अपना गौरव, अपना प्रभुत्व जहाँ तक हो सके न जाने पावे।

अथवा

3. "जिन्हें धन-वैभव प्यारा है, साहित्य-मन्दिर में उनके लिए स्थान नहीं है।" प्रेमचंदजी के कथन की समीक्षा निबंध के संदर्भ में कीजिए।

इकाई II

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नाम के बिना निर्गुनपंथियों को भी निर्गुन ब्रह्म का पता नहीं लगता, इसलिए अगुन और सगुन के बीच तुलसीदास नाम की साखी मानते हैं, नाम के बिना ब्रह्म का ज्ञान नहीं होता, इसलिए वह नाम को ब्रह्म से भी बड़ा मानते हैं, "कहेऊँ नाम बड़ ब्रह्म राम तें।"

अथवा

5. "वास्तव में तीसवाँ वर्ष जीवन के सम्मुख फण उठाये एक प्रश्न-चिह्न को उपस्थित करता है।" इस कथन की समीक्षा 'उत्तराफाल्गुनी के आसपास' निबंध के आधार पर कीजिए।

इकाई III

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

नदी के किनारे सेमल का पेड़ खड़ा था—निष्पत्र, लाल-लाल दहका हुआ। तमाम फूल नीचे झरे हुए थे। धरती और आकाश दोनों फूलों से पटे हुए थे। वह वहीं बैठकर रोने लगा। रह-रहकर नदी के उस पार देख लेता था। जैसे वह तौल रहा हो कि वह उस पार जा पाएगा या नहीं ? कहाँ जाएगा, क्या करेगा ?

अथवा

7. यश की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए।

इकाई IV

8. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

क्या पूछते हो! अरे इसी बरामदे में चहलकदमी करते-करते मैंने रात के तीन-तीन पहर बिता दिए हैं—बारह का घण्टा बजा, सुनसान। ..... कोई खबर नहीं। ड्यूटी रूम में लाइट, मेटर्निटी रूम में लाइट, पास के जनरल वार्ड से दो-चार

नये बच्चों के रोने की आवाज। एक का घण्टा बजा, वही बात। दो का घण्टा बजा, वही काला रेगिस्तान, जिसका कोई अन्त नहीं। याद है न बच्चन की वह पंक्ति–"रात्रि का अन्तिम पहर था, झिलमिलाते थे सितारे....."

अथवा

9. उपेन्द्रनाथ अश्क के एकांकी 'इतनी सी बात' का मूल कथ्य अपने शब्दों में लिखिए।

इकाई V

10. एकांकी के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

अथवा

11. शुक्लयुगीन निबंध की विशेषताएँ तथा निबंधकारों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड 'स'

12. 'भारतीय संस्कृति' निबंध में आए गुलाबराय जी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

13. 'भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति' में किस विषय पर चर्चा की गयी है, लिखिए।

14. 'आकाश की छत' में रामदरश मिश्र के कथा-संरचना की विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए।

15. एकांकी की अन्य विधाओं से तुलना कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि एकांकी उनसे कैसे भिन्न है।

16. हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।